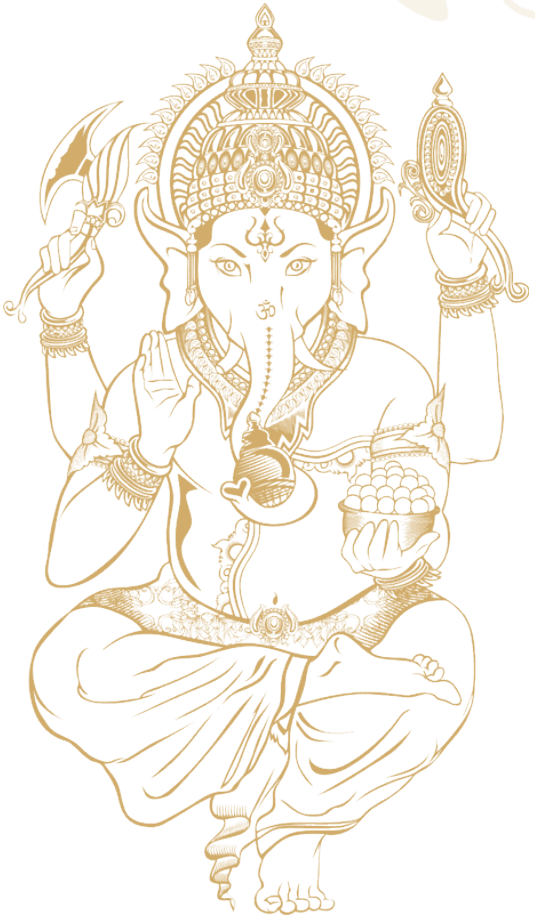

Yogmaya Sharma

25 Aug 1978

10:01 AM

Agra

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120015604

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/08/1978	जन्म तिथि	**25/08/2025**
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:01:00	जन्म समय	10:59:02 घंटे
घटी 10:18:07	जन्म समय(घटी)	12:42:28 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Agra
उत्तर 27:09:00	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
पूर्व 78:00:00	रेखांश	78:00:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:45	सूर्योदय	05:54:02
18:46:09	सूर्यास्त	18:45:31
23:33:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
कृतिका	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	2
व्याघात	योग	सिद्ध
बालव	करण	कौलव
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	गौ
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
गरूड़	वर्ग	श्वान
47	गत/तत्कालिक वर्ष	48

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	3	02:01:15	तुला			लग्न			तुला	14:34:52	3	स्वाति
मघा	3	08:04:16	सिंह			सूर्य			सिंह	08:04:15	3	मघा
कृतिका	3	04:22:27	वृष			चंद्र			कन्या	01:18:16	2	उ०फाल्गुनी
हस्त	3	19:33:55	कन्या			मंगल			कन्या	17:19:26	3	हस्त
आश्लेषा	4	27:33:25	कर्क	व	अ	बुध			कर्क	21:09:40	2	आश्लेषा
पुष्य	1	04:13:51	कर्क			गुरु			मिथु	22:24:25	1	पुनर्वसु
चित्रा	1	24:05:29	कन्या			शुक्र			कर्क	05:14:19	1	पुष्य
मघा	4	10:06:35	सिंह		अ	शनि	व		मीन	06:15:23	1	उ०भाद्रपद
उ०फाल्गुनी	3	03:29:32	कन्या			राहु			कुंभ	24:05:45	2	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	1	03:29:32	मीन			केतु			सिंह	24:05:45	4	पू०फाल्गुनी
स्वाति	4	19:16:33	तुला			मु			कन्या	02:01:15	2	उ०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

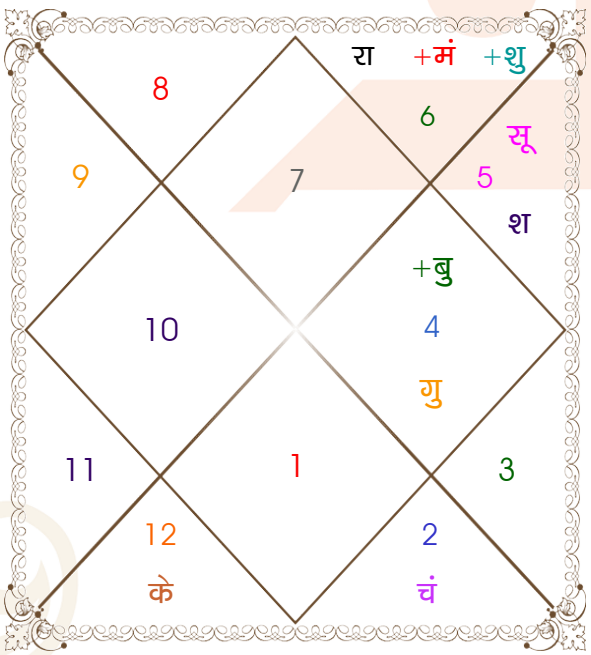

वर्ष लग्न कुंडली

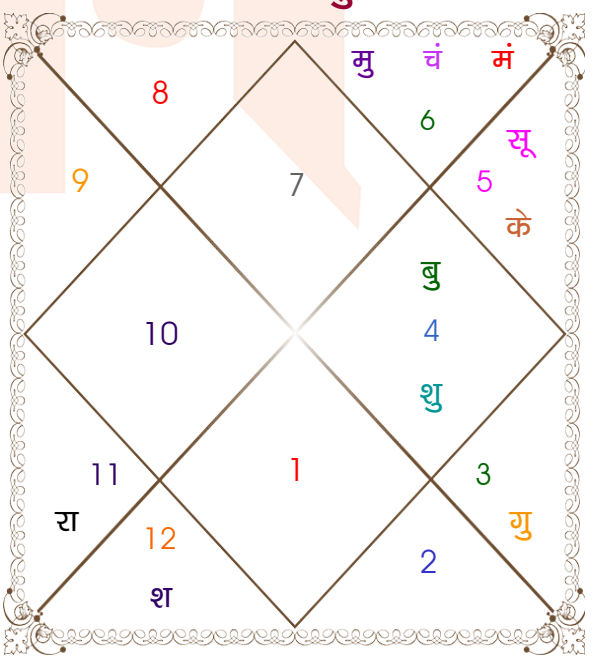

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - शनि		गुरु - शुक्र - बुध		गुरु - शुक्र - केतु		गुरु - सूर्य - सूर्य	
04/10/2025 03:12		07/03/2026 08:24		23/07/2026 08:00		18/09/2026 03:36	
07/03/2026 08:24		23/07/2026 08:00		18/09/2026 03:36		02/10/2026 18:15	
शनि	28/10/2025 13:14	बुध	26/03/2026 21:33	केतु	26/07/2026 15:33	सूर्य	18/09/2026 21:08
बुध	19/11/2025 09:34	केतु	03/04/2026 22:43	शुक्र	05/08/2026 02:49	चंद्र	20/09/2026 02:21
केतु	28/11/2025 09:28	शुक्र	26/04/2026 22:39	सूर्य	07/08/2026 23:00	मंगल	20/09/2026 22:48
शुक्र	24/12/2025 02:20	सूर्य	03/05/2026 20:14	चंद्र	12/08/2026 16:38	राहु	23/09/2026 03:24
सूर्य	31/12/2025 19:24	चंद्र	15/05/2026 08:12	मंगल	16/08/2026 00:10	गुरु	25/09/2026 02:09
चंद्र	13/01/2026 15:50	मंगल	23/05/2026 09:23	राहु	24/08/2026 12:43	शनि	27/09/2026 09:40
मंगल	22/01/2026 15:44	राहु	13/06/2026 02:07	गुरु	01/09/2026 02:31	बुध	29/09/2026 11:21
राहु	14/02/2026 18:55	गुरु	01/07/2026 11:40	शनि	10/09/2026 02:26	केतु	30/09/2026 07:48
गुरु	07/03/2026 08:24	शनि	23/07/2026 08:00	बुध	18/09/2026 03:36	शुक्र	02/10/2026 18:15

गुरु - सूर्य - चंद्र		गुरु - सूर्य - मंगल		गुरु - सूर्य - राहु		गुरु - सूर्य - गुरु	
02/10/2026 18:15		27/10/2026 02:39		13/11/2026 03:43		26/12/2026 23:39	
27/10/2026 02:39		13/11/2026 03:43		26/12/2026 23:39		03/02/2027 22:41	
चंद्र	04/10/2026 18:57	मंगल	28/10/2026 02:30	राहु	19/11/2026 17:31	गुरु	01/01/2027 04:19
मंगल	06/10/2026 05:02	राहु	30/10/2026 15:52	गुरु	25/11/2026 13:46	शनि	07/01/2027 08:22
राहु	09/10/2026 20:42	गुरु	01/11/2026 22:25	शनि	02/12/2026 12:19	बुध	12/01/2027 20:50
गुरु	13/10/2026 02:37	शनि	04/11/2026 15:11	बुध	08/12/2026 17:21	केतु	15/01/2027 03:22
शनि	16/10/2026 23:09	बुध	07/11/2026 01:08	केतु	11/12/2026 06:42	शुक्र	21/01/2027 15:13
बुध	20/10/2026 09:56	केतु	08/11/2026 01:00	शुक्र	18/12/2026 14:01	सूर्य	23/01/2027 13:58
केतु	21/10/2026 20:01	शुक्र	10/11/2026 21:11	सूर्य	20/12/2026 18:37	चंद्र	26/01/2027 19:53
शुक्र	25/10/2026 21:25	सूर्य	11/11/2026 17:38	चंद्र	24/12/2026 10:17	मंगल	29/01/2027 02:26
सूर्य	27/10/2026 02:39	चंद्र	13/11/2026 03:43	मंगल	26/12/2026 23:39	राहु	03/02/2027 22:41

गुरु - सूर्य - शनि		गुरु - सूर्य - बुध		गुरु - सूर्य - केतु		गुरु - सूर्य - शुक्र	
03/02/2027 22:41		22/03/2027 05:03		02/05/2027 14:31		19/05/2027 15:36	
22/03/2027 05:03		02/05/2027 14:31		19/05/2027 15:36		07/07/2027 08:24	
शनि	11/02/2027 06:29	बुध	28/03/2027 01:47	केतु	03/05/2027 14:23	शुक्र	27/05/2027 18:24
बुध	17/02/2027 19:47	केतु	30/03/2027 11:44	शुक्र	06/05/2027 10:34	सूर्य	30/05/2027 04:51
केतु	20/02/2027 12:34	शुक्र	06/04/2027 09:19	सूर्य	07/05/2027 07:01	चंद्र	03/06/2027 06:15
शुक्र	28/02/2027 05:37	सूर्य	08/04/2027 11:00	चंद्र	08/05/2027 17:07	मंगल	06/06/2027 02:25
सूर्य	02/03/2027 13:08	चंद्र	11/04/2027 21:47	मंगल	09/05/2027 16:58	राहु	13/06/2027 09:45
चंद्र	06/03/2027 09:40	मंगल	14/04/2027 07:44	राहु	12/05/2027 06:20	गुरु	19/06/2027 21:35
मंगल	09/03/2027 02:26	राहु	20/04/2027 12:45	गुरु	14/05/2027 12:53	शनि	27/06/2027 14:39
राहु	16/03/2027 01:00	गुरु	26/04/2027 01:13	शनि	17/05/2027 05:39	बुध	04/07/2027 12:13
गुरु	22/03/2027 05:03	शनि	02/05/2027 14:31	बुध	19/05/2027 15:36	केतु	07/07/2027 08:24

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी। इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी।इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा ही करेंगी।साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी । अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरुद्ध होंगे।व्यापार आदि कार्यो में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।